



JX-1601410105020600 Seat No. _____

P.G.D.M.C. (Sem. II) (CBCS) Examination

October – 2019

Journalism

(Attachment and Practical Work)

(New Course)

Time : 2½ Hours]

[Total Marks : 70

સૂચના : જમણી બાજુનાં ગુણ પ્રશ્નનાં કુલ ગુણ દર્શાવે છે.

૧ નીચે આપેલા બંને ફકરાઓનું ગુજરાતીમાં ભાષાંતર કરો : ૧૪

(1) राहुल ने पार्टी की सामाजिक-राजनैतिक पहचान में भी बदलाव किया । हालांकि कांग्रेस इस बात को कभी भी खुलकर स्वीकार नहीं करेगी लेकिन यह सच है कि उन्होंने २०१४ में पार्टी की करारी हार के कारणों पर ए. के. एंटनी की रिपोर्ट के आधार पर अपनी चुनावी रणनीति बदली है । उस रिपोर्ट में हार का एक बड़ा कारण यह बताया गया था कि ज्यादातर हिंदुओं के बीच यह धारणा बन गई थी कि कांग्रेस केवल अल्पसंख्यकों के लिए काम करती है । इसलिए तात्कालिक जरूरत यह थी कि पार्टी के बारे में इस धारणा को बदला जाए क्योंकि इससे भाजपा को सीधा फायदा मिल रहा था । इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय मुस्लिम पार्टियों जैसे एआइएमआइएम और एआइयूडीएफ के सीमित प्रभाव के कारण कांग्रेस के लिए यह भी चिंता का विषय था कि उन राज्यों में उसके मुस्लिम वोटर उससे छिटक सकते हैं जहाँ भाजपा के साथ उनका सीधा मुकाबला है । पार्टी के एक राज्यसभा सांसद का कहना था, “मुस्लिम भाजपा को वोट नहीं देंगे, वे उन राज्यों में कांग्रेस को ही वोट देंगे जहाँ किसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टी का प्रभाव नहीं है ।”

(2) Major challenges still remain for Mamata. For one, she may not be acceptable to all as the PM. DMK's M.K. Stalin had famously named Congress president Rahul Gandhi as the Opposition's potential choice. The Brigade parade ground rally also skipped the issue as Samajwadi Party's Akhilesh Yadav insisted that the matter be left for after the elections. Most importantly, the Congress is unlikely to give up PM hopes, not after spectacular comebacks in three major states recently. And the fact that the Congress will be taking on the Trinamool in Bengal, apart from the BJP, makes it murkier.

અથવા

- (1) मैं यह सुझाव देना चाहूंगी कि स्वस्थ समाज और ज्यादा सहिष्णुता की संस्कृति का निर्माण करने के लिए हमें समाज और सियासी तबके की भूमिका को बढ़ाने की जरूरत है । नेताओं को गैरजिम्मेदाराना बयान देने से रोका जाना चाहिए और इसके लिए उनकी खिंचाई की जानी चाहिए । औरतों के खिलाफ अपराधों से निपटते वक्त पुलिस को तेज और मुस्तैद होना चाहिए । महकमे में और ज्यादा महिला पुलिस अधिकारी होनी ही चाहिए । साथ ही देशभर में एकमुश्त समाधानों के साथ संकट के वक्त दखल देने वाले और ज्यादा केंद्र कायम करने चाहिए और लैंगिकता से जुड़े मुद्दों पर मर्दों की काउंसलिंग जरूर की जानी चाहिए । हमें तेजी से और चुस्ती से सजा दिलवाने का पक्का इंतजाम भी करना चाहिए और महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अपराधों को फास्ट ट्रैक अदालतों में भेजा जाना चाहिए । इसके अलावा, महिलाओं को उनके साथ होने वाले अपराधों की रिपोर्ट लिखवाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, क्योंकि डर को हमेशा के लिए बनाए रखने की संस्कृति को रोका जा सकेगा ।
- (2) He vividly remembers when he became a "confirmed freedom fighter". It was in 1942, when G.G. Parikh, now 94, was arrested as a 17-year-old teenager trying to stop trains at Mumbai's Churchgate station, after picketing at St Xavier's College. Those were the initial days of the Quit India movement. His arrest came close on the heels of the historic August 9 meeting where Mahatma Gandhi raised the 'Do or Die' slogan. Recalling his time at a temporary jail created at Worli in Mumbai, he says, "We were 18 people in a small room on the third floor. Some people were shouting slogans outside, but we couldn't hear properly. When we tried to look out, we were beaten up. When I was thrashed, that was the moment I became a confirmed freedom fighter." Parikh spent 10 months in jail and became not just a freedom fighter, but also a socialist. Earlier, at his Kanpur school, he had started a handwritten magazine and almost got rusticated, but managed to create a stir. It was at Mumbai's St Xavier's College that he was introduced to Marxism and became a student activist. "We formed the Students Congress, which was very active when the party leadership was in jail," he says about the 1942-47 period. After studying medicine in Mumbai and becoming a doctor, Parikh never left the socialist cause. He was jailed eight times after Independence, with the Emergency (1975-77) sparking another defining struggle.

૨	પુલવામાં આતંકવાદી હુમલાની ઘટના ઉપર ૩૦૦ શબ્દમાં લેખ લખો.	૧૪
	અથવા	
૨	૨૦૧૯ની લોકસભાનાં સંભવિત રાજકીય મુદ્દા અંગે લેખ લખો.	૧૪
૩	રમત જગત માટે નવા શરૂ થતાં સામાયિકની વાંચન સામગ્રી અને સ્વરૂપશૈલી નક્કી કરતો અહેવાલ લખો.	૧૪
	અથવા	
૩	સૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટી આયોજીત પુસ્તકમેળાનો વિસ્તૃત અહેવાલ લખો.	૧૪
૪	(અ) “સંદેશ”ની પૂર્તિઓ અને તેનાં કટારલેખકો વિશે નોંધ લખો.	૭
	અથવા	
	(અ) રાજકોટનાં દૈનિકોનો પરિચય આપો.	૭
	(બ) રીપોર્ટીંગનાં વિવિધ સ્ત્રોત સમજાવો.	૭
	અથવા	
	(બ) રાજકોટની ખાનગી રેડિયો ચેનલોનો પરિચય આપો.	૭
૫	ટૂંકનોંધ લખો : (કોઈપણ બે)	૧૪
	(૧) ટાઈપોગ્રાફી	
	(૨) સમાચારનું સંપાદન	
	(૩) મુલાકાતની વિવિધ પદ્ધતિઓ	
	(૪) ફોટોલાઈન અને ફોટો સ્ટોરી.	